specific proposals, inter alia, for construction of staff quarters where land is available.

राजस्थान में ऐतिहासिक भवन

546. **श्री जगदीश प्रसाद माथुर :**
श्रीमती लक्ष्मीकुमारी चूंडावत

क्या पर्यटन और नागर विमानन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) राजस्थान में ऐतिहासिक महत्व के वे कौन से स्थान है जहा पर सरकार पर्यटन सुविधाएं उपलब्ध कराने का विचार करती है; और

(ख) मेवाड के ऐतिहासिक स्थानों के विकास के लिए सरकार ने क्या कदम उठाए है ?

† [HISTORICAL PLACES IN RAJASTHAN

546. SHRI JAGDISH PRASAD MATHUR:
SHRIMATI LAKSHMI KUMARI CHUNDAWAT:

Will the Minister of TOURISM AND CIVIL AVIATION be pleased to state.

(a) the names of places of historical importance in Rajasthan for which Government propose to provide tourist facilities; and

(b) the steps taken by Government for the development of the historical places of Mewar ?]

पर्यटन और नागर विमानन मंत्री (डा० कर्ण सिंह) : (क) सरकार का चालू योजनावधि के दौरान जयपुर, जैसलमेर तथा उदयपुर मे पर्यटन सुविधाए प्रदान करने का प्रस्ताव है। पिछली योजनाओ मे, माउंट आबू, उदयपुर, चित्तौडगढ, तथा जयपुर मे सुविधाए प्रदान की गयी थी। इनके अलावा, राज्य सरकार को दूसरी पचवर्षीय योजना के भाग 1 के अन्तर्गत बूंदी, माउंट आबू, भरतपुर, जोधपुर, अजमेर एवं चित्तौडगढ मे पर्यटन ब्यूरो खोलने मे सहायता दी गयी।

(ख) मेवाड मे पिछली योजनाओ मे निम्नलिखित सुविधाए प्रदान की गयी :

	रुपये
(1) चित्तौडगढ मे एक पर्यटन ब्यूरो की स्थापना	6,811
(2) उदयपुर मे फतहसागर झील मे द्वीप का सौन्दर्यवर्धन	3,30,000
(3) उदयपुर के समीप सास बाहू मन्दिरो तक पहुच मार्ग का निर्माण	1,05,000
(4) चित्तौडगढ मे बन मे कैंटीन	30,117
(5) उदयपुर मे पर्यटक बगला	75,000

चौथी योजनावधि के दौरान, भारत पर्यटन विकास निगम लगभग 25 लाख रुपये की लागत से उदयपुर मे लक्ष्मी विलास पैलेस होटल मे 20 कमरों की वृद्धि करेगा। कार्य प्रगति पर है तथा इसके अक्तूबर, 1972 तक पूरा हो जाने की आशा है।

†[THE MINISTER OF TOURISM AND CIVIL AVIATION (DR. KARAN SINGH): (a) Government propose to provide tourist facilities during the present Plan period at Jaipur, Jaisalmer and Udaipur. In the earlier Plans facilities were provided at Mt. Abu, Udaipur, Chittorgarh and Jaipur. In addition the State Government was assisted in opening Tourist Bureau at Bundi, Mt. Abu, Bharatpur, Jodhpur, Ajmer Chittorgarh under Part I of the Second Five Year Plan

(b) In Mewar the following facilities were provided in the earlier plans:—

	Rs.
(1) Establishment of a Tourist Bureau at Chittorgarh	6,811
(2) Beautification of the island in Fatehsagar Lake at Udaipur.	3,30,000

† [ ] English translation.

	Rs.
(3) Construction of an approach road to Sas Bahu Temples near Udaipur	1,05,000
(4) Canteen in the Fort at Chittorgarh.	30,117
(5) Tourist Bungalow at Udaipur	75,000

During the Fourth Plan period, the India Tourism Development Corporation will add 20 rooms to the Laxmi Vilas Palace hotel at Udaipur at an estimated cost of Rs 25 lakhs. The work is in progress and is expected to be completed by October, 1972]

बिचौली एजेंसियां

547. डा० भाई महावीर :
श्री जगदीश प्रसाद माथुर :

क्या पर्यटन और नागर विमानन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि बिचौली एजेन्सियों के कारण पर्यटकों को अपने पर्यटन के लिए अधिक व्यय करना पड़ता है, और

(ख) ऐसी एजेन्सियों को दिये जाने वाले कमीशन को यदि सीधा पर्यटकों को दिया जाए तो उससे सामान्यत: कितनी बचत हो सकती है और उसके परिणामस्वरूप पर्यटकों के आवागमन में कितनी वृद्धि होगी ?

† [INTERMEDIARY AGENCIES

547 DR BHAI MAHAVIR :
SHRI JAGDISH PRASAD MATHUR

Will the Minister of TOURISM AND CIVIL AVIATION be pleased to state

(a) whether it is a fact that the tourists have to pay more for their tours because of intermediary agencies, and

(b) the extent of saving that can normally be effected if the commission being paid to such agencies is given direct to the tourist and the extent to which the tourist traffic will increase as a result thereof ?]

पर्यटन और नागर विमानन मंत्री (डा० कर्ण सिंह) (क) जी, नहीं ।

(ख) प्रश्न नहीं उठता ।

†[THE MINISTER OF TOURISM AND CIVIL AVIATION (DR KARAN SINGH) : (a) No, Sir.

(b) Does not arise]

पी० एल०-480 निधि

548 श्री ओम प्रकाश त्यागी :
श्री जगदीश प्रसाद माथुर :
श्री वी० के० सखलेचा :

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पी० एल०-480 के अधीन भारत ने पिछले तीन वर्षों के दौरान संयुक्त राज्य अमेरीका से कुल कितने मूल्य का माल खरीदा;

(ख) पी० एल०-480 के अधीन रुपये के रूप में जमा निधि में से संयुक्त राज्य अमेरीका ने भारत में किन किन मदों पर कितना-कितना खर्च किया और बिना खर्च की गई ऐसी कितनी राशि शेष है,

(ग) क्या यह सच है कि संयुक्त राज्य अमेरीका ने अपने निजि राजनैतिक उद्देश्यों की पूर्ति करने के हेतु भारतीय राजनीति को प्रभावित करने के लिए उक्त धन का प्रयोग किया है, और

(घ) यदि हाँ, तो इस धन के इस प्रकार के दुरुपयोग को रोकने के लिए सरकार क्या कदम उठा रही है ?

† [ ] English translation.